TITLE: Re: Drafting Of Masterplan In View Of Joshimath Land Subsidence incident including rehabilitation of affected people.

श्री तीरथ सिंह रावत (गढ़वाल): सभापति महोदय, धन्यवाद । मैं आपका ध्यान एक महत्वपूर्ण क्षेत्र जोशीमठ में गत माह में जो भूधंसाव हुआ था, उसकी ओर आकर्षित करना चाहता हूं । जोशीमठ एक महत्वपूर्ण स्थान है, जो उत्तराखंड के चमोली जिले में बार्डर के निकट, बद्रीनाथ के पास, औली के पास है । बद्रीनाथ में जब 6 महीने के लिए पूजा-पाठ बंद हो जाता है तो वह जोशीमठ में होती है । औली इसके बगल में है । सामरिक दृष्टि से यह क्षेत्र नीती, माणा, बार्डर के पास है । इसलिए, इस संस्थान का रख-रखाव, सुरक्षा, रक्षा अनिवार्यता हो जाती है ।

मान्यवर, पिछले माह जब भूधंसाव हुआ तो 25-30 पर्सेंट वहां उसका प्रभाव हुआ । यह प्रभाव अलग-अलग क्षेत्रों में हुआ । इससे वहां पानी का रिसाव हुआ । पानी के रिसाव के कारण मकानों में दरारें आना, कई मकानों का ध्वस्त होना, होटलों का बह जाना, यह देखा गया । जिस तरह से उसकी बातें मढ़ी गयीं, यह लगा कि जोशी खत्म हो गया, ऐसा नहीं है । जोशीमठ में अपनी दैनिक दिनचर्या, मार्केट सब तरह से चल रहा है । मैं इसलिए इस बात को कह रहा हूं कि कल बद्रीनाथ के पट दो महीने के बाद खुलेंगे तो लोगों को डर न सताये । वह स्थान अभी भी सुरक्षित है । इस मामले में प्रधान मंत्री माननीय मोदी जी ने संज्ञान लिया और तत्काल एक अध्ययन दल भेजा, केंद्रीय कमेटी बनाई, जिसने इसका अध्ययन किया । माननीय गृह मंत्री जी ने भी इसका संज्ञान लिया । इसके लिए वहां क्या हो सकता है, वह सब करने का काम किया । उनका ठहराव, रख-रखाव, कैसे विस्थापित करना है, प्रदेश सरकार लगातार उस काम को कर रही है । शासन-प्रशासन पूरी तरह से इस काम में लगा है और लोगों को राहत देने का काम किया है ।

सभापति महोदय, मेरा इतना ही कहना है कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है । मैंने इसलिए यह बात कही क्योंकि कल बद्रीनाथ और केदारनाथ के पट खुलेंगे और लोग वहां जाएंगे, कहीं भय न पैदा हो । मीडिया के माध्यम से एक ऐसा वातावरण बनाया गया कि जितनी समस्या थी नहीं, उससे ज्यादा बनायी गयी ।

मान्यवर, मैं पुन: माननीय प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं । माननीय गृह मंत्री जी ने इसका संज्ञान लिया है और प्रभावित लोगों के लिए लगातार व्यवस्था हो रही है । उस क्षेत्र के लोगों की कैसे रक्षा हो सकती है, वह सब काम चल रहा है ।

मेरा इतना कहना है कि इस संबंध में केन्द्रीय कमेटी द्वारा अध्ययन हुआ है और पुनर्वास बसाने की बात हुई है । वहां पहाड़ में जो स्थानीय नगर निकाय हैं, इसके दूरगामी परिणाम को देखते हुए वहां के लिए एक मास्टर प्लॉन बनाने का काम करें । जिससे आगे उनका भविष्य सुरक्षित हो सके । नमस्कार, थैंक्यू ।